* अ नु क्र म णि का *

* * *

प्रास्ताविक :- 1-4

प्रथम अध्याय :- व्यक्तित्व और कृतित्व 5-39

जन्म, अश्क का बचपन, शिक्षा, विवाह, त्यागमयी कोशल्या, नीलाभ प्रकाशन की स्थापना और उददेश्य, निष्कर्ष

अश्क के नाटक, अश्क के एकांकी संग्रह, अश्क के उपन्यास, कहानी संग्रह, काव्य-संग्रह, विचार ग्रंथ, अनुवाद, सम्पादन, संस्मरण, निष्कर्ष।

दूसरा अध्याय :- हिंदी के मनोवैज्ञानिक नाटक के विकास की रुपरेखा 40-64

मनोविज्ञान शब्द की व्युत्पत्ति, अध्यात्मशास्त्र और मनोविज्ञान, साहित्य में मनोविज्ञान, मनोवैज्ञानिक नाटकों का विकास, संस्कृत के मनोवैज्ञानिक नाटकों का हिंदी नाटकों पर प्रभाव, पाश्चात्य नाटकों में मनोवैज्ञानिक परम्परा, शेक्सपीयर के नाटकों में मनोविज्ञान, इब्सन के यथार्थवादी नाटकों में मनोविज्ञान, बनार्ड शॉ के यथार्थवादी नाटकों में मनोविज्ञान, टाल्सटाय के नाटकों में मनोविज्ञान, पाश्चात्य मनोवैज्ञानिक नाटकों का हिंदी नाटकोंपर प्रभाव, निष्कर्ष.।

तीसरा अध्याय :- 'भँवर' का नाट्य - शिल्प 65-91

प्रस्तावना, 'भँवर' का नाट्य-शिल्प, कथावस्तु, चरित्र-चित्रण:- प्रतिभा, प्रो.ज्ञान, जगन, हरदत्त,

प्रो. नीलाभ, संवाद या कथोपकथन, देश-काल-वातावरण, अभिनेयता, भाषाशैली, शीर्षक, उददेश्य. |

चौथा अध्याय:- **' भँवर ' नाटक की मनोवैज्ञानिकता** 92–113

विषय प्रवेश, प्रतिभा के चरित्र में मनोवैज्ञानिकता, प्रो. ज्ञान, जगन, हरदत्त, निष्कर्ष |

पाँचवा अध्याय:- **उपसंहार** 114–120

संदर्भ ग्रंथ सूचि : 121–123

आधार ग्रंथ सूचि : 124